लगातार बारिश से हालात बेकाबू

रविवार को भागीरथी नदी के उफान में कुछ इस तरह ढही तिलोथ पुल का एप्रोच मार्ग।

मानसून की शुरुआती बारिश कहर बनकर टूटी है। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से रविवार को उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों में हालात बेकाबू हो गए। रुद्रप्रयाग में बारिश से दिन तक पांच लोगों की मौत हो गई, एक व्यक्ति लापता हो गया। देर शाम मृतकों की संख्या ज्यादा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अलकनंदा और मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई। जवाड़ी झूला पुल पानी में डूब गया। गौरीकुंड बस पार्किंग में खड़ी एक बस और पांच छोटे वाहन मंदाकिनी की बाढ़ में बह गए। उत्तरकाशी जिले में भी नदी नाले उफान पर होने से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। कई घर ढहने की कगार पर हैं। खरादी में पटवारी चौकी बह गई। गंगोत्री मार्ग में बाढ़ सुरक्षा कार्यों में लगी मशीनें बाढ़ में समा गई। असी गंगा घाटी में सात गांवों की 3000 आबादी जिला मुख्यालय से अलग-थलग पड़ गई। मनेरी भाली प्रथम व द्वितीय चरण परियोजना में विद्युत उत्पादन बंद करना पड़ा। उत्तरकाशी में हाईअलर्ट घोषित कर दिया गया है।

हेल्पलाइन नंबर

उत्तरकाशी -01374-226126-461, टिहरी - 01376- 233433, चमोली 01372 - 251437, 01372-1077(टोल फ्री)
रुद्रप्रयाग - 1077, 01364-233727

महाविद्यालय छात्रावास के दो भवन ढहे

उत्तरकाशी में बाढ़ सुरक्षा कार्य में लगी भारी मशीनें भी चपेट में

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तरकाशी। शुक्रवार रात से बारिश का सिलसिला जारी रहने से गंगा भागीरथी, असी गंगा समेत जिले के तमाम गाड गदेरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। जिला मुख्यालय क्षेत्र के तटवर्ती हिस्सों में कटाव एवं मकानों के ढहने का सिलसिला चल रहा है। बाढ़ सुरक्षा कार्य में लगी भारी मशीनें खुद बाढ़ की चपेट में आ गई हैं।

शनिवार रात को भागीरथी और असी गंगा के जलागम क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश से ये नदियां पूरे उफान पर हैं। रविवार सुबह से नदी में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

उजेली में कैलाश आश्रम के सामने संस्कृत महाविद्यालय छात्रावास के दो भवन तथा स्नान घाट समेत यहां बने दो मंदिर भागीरथी में बह गए। तिलोथ पुल की बाजार छोर वाली एप्रोच फिर ढहने से इस पुल से पैदल आवाजाही भी बंद हो गई है। तिलोथ मांडो क्षेत्र में कटाव बढ़ने से दो बहुमंजिले भवन ढह चुके हैं। एक दर्जन से अधिक मकानों के नीचे कटाव से इनका ज्यादा समय तक खड़े रह पाना मुश्किल लग रहा है। गंगोत्री से लेकर जोशियाड़ा तक चल रहे बाढ़ सुरक्षा कार्यों में लगी मशीनें बाढ़ की चपेट में आ गई हैं। करीब आधा दर्जन पोकलैंड व जेसीबी, एक डंपर तथा एक दर्जन से अधिक मिक्सर व डिवाटरिंग पंप असी गंगा व भागीरथी के उफान में बह गए। यमुना नदी में आए उफान से खरादी में पटवारी चौकी बह गई तथा दो होटल अधर में हैं।

हाईअलर्ट, बनाए राहत कैंप

उत्तरकाशी। डीएम डा.आर.राजेश कुमार ने बताया कि जिले में दो दिनों से हो रही बारिश से आपदा के हालात को देखते हुए हाई अलर्ट घोषित किया गया है। प्रभावितों के लिए 15 राहत शिविर बनाए गए हैं। उत्तरकाशी नगर में खतरे की जद में आए भवनों से चार सौ लोगों को इन शिविरों में विस्थापित किया गया है। आईटीबीपी व आर्मी से भी सहयोग मांगा जा रहा है। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह फंसे यात्रियों को निकटवर्ती स्कूल, होटल, आश्रमों में ठहराया जा रहा है। आपदा की स्थिति को देखते हुए सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में हालात सामान्य होने तक के लिए अवकाश घोषित किया गया है।

- भूमि कटाव से मकानों के ढहने का सिलसिला शुरू
- सुरक्षा कार्यों में लगी मशीनें भी गंगा में बहीं

भागीरथी के उफान ने थामी परियोजना की टरबाइनें

उत्तरकाशी। भागीरथी में जलप्रलय की स्थिति पैदा होने पर मनेरी भाली प्रथम व द्वितीय चरण परियोजना में विद्युत उत्पादन बंद करना पड़ा। भागीरथी में वाटर डिस्चार्ज 1200 क्यूमेक्स से अधिक दर्ज किया गया। तिलोथ विद्युतगृह के ईई केके जायसवाल ने बताया कि रविवार सुबह चार बजे भागीरथी में पानी बढ़ने पर विद्युत उत्पादन बंद कर दिया गया था। रविवार दोपहर को अधिकतम वाटर डिस्चार्ज 1161 क्यूमेक्स मापा गया। उधर, धरासू विद्युत गृह के डीजीएम विपिन बिहारी सिंघल ने बताया कि यहां रविवार सुबह 4.20 बजे उत्पादन बंद करना पड़ा। इससे पहले चारों टरबाइनों से 246 मेगावाट उत्पादन हो रहा था। जोशियाड़ा बैराज पर अधिकतम वाटर डिस्चार्ज 1190 क्यूमेक्स मापा गया।

जीजीआईसी में की प्रभावितों के रहने की व्यवस्था

रुद्रप्रयाग। अलकनंदा और मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे जवाड़ी झूला पुल पानी में डूब गया। जिला प्रशासन ने लोगों को मौसम साफ होने तक सुरक्षित स्थान में रहने की अपील की है। जीआईसी रुद्रप्रयाग, रतूड़ा, नगरासू, अगस्त्यमुनि, गुप्तकाशी, फाटा, खुमेरा, रामपुर और जीजीआईसी अगस्त्यमुनि में प्रभावितों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। केदारनाथ में 250, रामबाड़ा में 500 और गौरीकुंड में 1800 यात्री रुके हुए हैं। फाटा में 250 वाहन फंस गए हैं। डीएम ने एसडीएम रुद्रप्रयाग को अगस्त्यमुनि, एसडीएम जखोली को ऊखीमठ कैंप करने के निर्देश दिए हैं। डीएम विजय ढौंडियाल ने बताया राहत को शासन से मिली धनराशि में से 25-25 करोड़ तीनों तहसीलों को आवंटित कर दिए गए हैं।